Written by कुमार सौवीर
Saturday, 01 April 2017 11:12

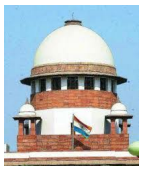

: □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□, □□□□ □□□□ □□□□ □ : □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□-□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□ : □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ :

□□□□□□ □□□□□□

□□□□ : हनि्□दुस्□तान के हर-□क अभभिावक के दलि पर हर महीने □क जोरदार थप्□पड़ पड़ता है, कि अभभिावक बुरी तरह बलिबलिा जाता है□ लेकिन ऐसे तमाचों को बर्दाश्□त कर लेता है अभभिावक□ यह तमाचे उसके बच्□चों के स्□कूल के प्रबंधक के होते हैं□ करारे तमाचे□ इतना ही नहीं, इन तमाचों के बदले हर अभभिावक ऐसे स्□कूली प्रबंधकों के हाथों में नोटों की गड्डी भी थमा देता है□ राजी-खुशी होता है यह भुगतान□ सरि्फ इस राहत वाले आश्□वासन के लि□ कि उसका बच्□चा पूरी तरह सुरक्षति रहेगा, उसका भवषि्□य सुनहला बना दयिा जा□गा और बाद में वह उसके सपनों की जनि्□दगी में सैर कर सकेगा□ लेकिन इसी सपने, राहत और आश्□वासनों के गुबार में अभभिावक लगातार लुटता-पटिता ही रहता है□ स्□कूलों की मांग लगातार बढ़ती ही जाती है और जल्□दी ही हर अभभिावक किसी गधे की तरह अपने बच्□चों को पालने नुमा मजबूरी में बकितबाह होना शुरू कर देता है□

यह हकीकत है इस देश के अभभिावकों की□ बच्□चों के सपनों को सुधारने-तराशने की आपाधापी में हर अभभिावक यह भूल जाता है कि उसके दायति्□वों के साथ ही साथ उसके हक भी इस देश में मौजूद हैं□ इन्□हीं हकों को जान-पहचान कर कोई भी अभभिावक अपने बच्□चों के लुटेरे स्□कूली प्रबंधकों की गुण्□डागर्दी, लूट और माफियागरी पर तत्□काल अंकुश लगा सकता है□ मसलन, नौ साल पहले सर्वोच्□च न्□यायालय से जारी हुआ □क आदेश, जसिमें अभभिावकों के सुकून की गारंटी दी गयी है□

बदायूं के जांबाज पत्रकार और नवयुवक □□□□□□ □□□□□□□ ने आम बेहाल अभभिावकों को त्राण दलिाने के लि□ बाकायदा □क अभयिान छेड़ दयिा है□ अब आम अभभिावकों की यह जमि्□मेदारी है कि वे लोग भी □□□□□□ □□□□□□□□ के अभयिान में सहभागी बनें, और स्□कूली प्रबंधकों की लूट का वरिोध करने के लि□ अपना योगदान करें□ □□□□□□ का संकल्□प ऐसे ही स्□कूली प्रबंधकों की लूट पर अंकुश और अराजकता पर स्□थाई प्रतबिंध लगाना ही है□

इसके लि□ राहुल ने □क अपील जारी की है□ आप भी देखयि:- आप मति्र लोगो से □क मदद चाहि□, 9 साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने □क आर्डर कयिा था, सकूल के बारे में□

जसिमें साफ-साफ हुक्□म जारी कयिा गया था कि:-

Written by कुमार सौवीर
Saturday, 01 April 2017 11:12

1. स्कूल 11 महीने की फीस लेंगे,

2 . स्कूल तमिाही केआधार पर फीस न लेंगे□ बल्कि चक्र महीने केहसिाब से लेंगे□

3. स्कूल 5 साल से पहले ड्रेस नही बदल सक्ते है□

4. स्कूल बाले कसिी फक्सि दुकान से कताबे लेने को बाध्य नही कर सक्ते है□ साथ ही स्कूल से भी कताबे बक्री नही कर सक्ते है□

5. जसि बोर्ड से मान्यता है, उसमे बोर्ड से मान्यता बाली कताबे ही प□ाई जा□ , यह नही प्राइवेट लोगो की कताबें□

सर अगर यह आर्डर मलि जाये, बहुत सहूलयित होगी□

क्योकि बूच□ खाने भी अगर उच्चतम न्यायालय केआदेश पर रोकलग सक्ती है□ तो इन कुक्कुरमुत्तों की तरह उगने बाले इन प्राइवेट स्कूल पर क्यो नही□

आप लोगो से माफी चाहता हूं, आपको टैग करने केलि□ □

सुप्रीमकोर्ट ने क्या रूलगि बनाई थी ?

और तो और नजिी स्कूलों की मनमानी केचलते तकरीबन 9 साल पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अपने □कआदेश में गर्मियों की छुट्टी में ली जाने वाली फीस पर प्रतबिन्ध लगते हु□ कहा था कि इस दौरान जब स्कूलों में प□ाई नहीं होती है तो उसकी फीस क्यों ली जाती है. मालूम हो कि कोर्ट ने छुट्टी केदौरान ली जाने वाली फीस पर रोकलगते हु□ प्राइवेट स्कूलों और मशिनरी स्कूलों पर ये रोकलगायी थी. यही नहीं इसकेसाथ इस तरह केस्कूलों और कालेजों पर लगाम कसते हु□ कोर्ट ने ये भी आदेश पारति कयि थे कि प्राइवेट स्कूल और कालेज अभविावकों को इस बाबत मजबूर नहीं कर सक्ते कि वह □कवशिष दुकान से ही अपने बच्चों कि कॉपी-कताबें खरीदें.

Written by कुमार सौवीर
Saturday, 01 April 2017 11:12

यही नहीं, स्कूल और कालेज में हर साल बदली जाने वाली ड्रेस पर रोक लगते हु□ 5 साल से पहले ड्रेस न बदले जाने के आदेश प्राइवेट स्कूल और कालेजों के प्रबन्धन तन्त्र को दि□ थे. बावजूद इसके स्कूल और कालेजों के प्रबन्धतन्त्र अपनी मनमानी पर आमादा हैं. फिलहाल दल के नेताओं ने यूपी के सी□म योगी आदत्यि नाथ से सुप्रीम कोर्ट की आयी रूलिंग का अनुपालन कराये जाने की मांग की है.

(□□□□ □□□□□□ □□□□□-□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□, □□□□, □□□□□□□□□□□□, □□□□□-□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□-□□-□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□, □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□

□□ □□ □□:□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ www.meribitiya.com □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□, □□□□□□, □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□, □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□, □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□, □□ □□□□□ □□□□-□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□

□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□:- 9415302520 □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □-□□□ □□□□ □□:- kumarsauvir@gmail.com

□□□□□□□□□:- kumarsauvir@gmail.com)